पवित्र आत्मा के वरदानों को समझना

पवित्र आत्मा के वरदानों को इस्तेमाल करने के लिये मुख्य मार्ग दर्शिका पौलुस तिमोथी अगुवे के प्रशिक्षण पुस्तिक का एस 6 ए में वर्णन किये गये हैं "आपकी कलीसिया में आत्मिक वरदान" हैं यदि आपने अभी तक उस अध्ययन को नहीं पढ़ा तो अवश्य पढ़ें।

1. वे बाइबल के हिस्से जो आत्मिक वरदानों का वर्णन करते हैं उनकी जांच करें

नये नियम के शब्द ये प्रगट करते हैं कि परमेश्वर सब मसीही विश्वासियों को एक दूसरे की सेवा करने की विशेष योग्यता देता है। परमेश्वर ऐसे लोगों को भी कलीसिया में एक वरदान की तरह भेजता है।

1 पतरस 4:10 और 11 में खोजें दो मुख्य प्रकार के वरदान जो परमेश्वर विश्वासियों को देता है:

"जिसको जो वरदान मिला है, वह उसे परमेश्वर के नाना प्रकार के अनुग्रह के मले मंडारियों की नाई एक दूसरे की सेवा में लगाएं। यदि कोई बोले तो ऐसा बोले माना परमेश्वर का वचन है, यदि कोई सेवा करे तो उस शक्ति से करे जो परमेश्वर देता है, जिस से सब बातों में यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर की महिमा प्रगट हो: महिमा और समराज्य युगानुयुग उसी की है"।

[उत्तर पतरस के द्वारा दो वर्णन की गई गतिविधियां ये हैं:

*1. **बोलना** (परमेश्वर के सत्य को दूसरों को बताना)*

*2. **सेवा करना** (परमेश्वर के प्रेम को दूसरों को दिखाना)]*

इफिस्सियों 4:10-12 प्रगट करता है कि परमेश्वर कलीसियाओ में लोगों को देता है कि वे विश्वासियों को विभिन्न सेवकाइयों के लिये सुसज्जित करें। इफिसियों 4:11 में देखें पांच प्रकार के वरदान पाये हुए लोग:

"और उसने कितनो को प्रेरित नियुक्त करके और कितनो को भविष्यद्वक्ता नियुक्त करके और कितनो को सुसमाचार सुनाने वाले नियुक्त करके और कितनो को रखवाले और उपदेशक नियुक्त करके दे दिया"।

[उत्तर: ये पांच प्रकार के लोग सूचि में नीचे दिये गये है]

1) **प्रेरित** (जो कलीसियाएं स्थपित करते हैं)

2) **भविष्यद्वकता** (जो परमेश्वर का सत्य प्रचार करते हैं)

3) **प्रचारक** (जो सुसमाचार बताते हैं)

4) **पास्टर** (जो कलीसिया की चरवाही करते हैं)

5) **शिक्षक** (जो दूसरों को परमेश्वर की आज्ञा पालन करने में सहायता करते हैं)

रोमयो 12 सिखाता है कि विश्वासियों के पास आत्मिक वरदान हैं जिसके साथ वे दूसरों की सही रवैये के साथ सेवा करते हैं। **रोमियों 12:6-8** में खोजें कि आत्मिक वरदानों के जो विश्वासियों के पास हैं सात उदाहरण है:

"और जबकि उस अनुग्रह के अनुसार जो हमें दिया गया है हमें भिन्न भिन्न वरदान मिले हैं तो जिसको भविष्यवणी का दान मिला है, वह विश्वास के परिमाण के अनुसार भविष्यवाणी करे। यदि सेवा करने का दान मिला हो सो सेवा में लगा रहे यदि सिखाने वाला हो तो सिखाने में लगा रहे। जो उपदेशक हो वह उपदेश देने में लगा रहे; दान देने वाला उदारता से दे जो अगुवाई करें वह उत्साह से करे जो दया करें वह हर्ष से करें"।

[उत्तर: नीचे सात प्रकार के वरदानो की सूचि दी गई हैं।]

1) **भविष्यवाणी करना** (परमेश्वर के सत्य को जैसा 1 कुरिन्थि 14:3-4 में है एक दूसरे को बताना)

2) **सेवा करना** (सेवा के लिये बुलाये गये 1 कुरिन्थि 12:28)

3) **शिक्षा देना** (विश्वासियों को एक दूसरे के साथ सेवा करने के लिये सुसज्जित करना)

4) **बढ़ाना** (प्रोत्सहन देना और ठीक करना)

5) **उदारता से देना**

6) **बुद्धिमानी से अगुवाई करना** (आरम्भ करना या झुन्डों का निरीक्षण करना या सेवकाई में और विश्वासियों को एक साथ मित्रभाव से काम कराना)

7) **दया का कार्य** प्रसन्नता पूर्वक करना।

1 कुरिन्थि 12 ये दिखाता है कि किस प्रकार विभिन्न वरदानो को एक देह में सदभावना पूर्ण इस्तेमाल करना है। **1 कुरिन्थि 12:8-10 और 28** में देखें और भी वरदान जिनकी सूचि ऊपर नहीं बनी हैं:

"क्योंकि एक को आत्मा के द्वारा बुद्धि की बातें दी जाती है और दूसरे को उसी आत्मा के अनुसार ज्ञान की बातें। और किसी को उसी आत्मा से विश्वास और किसी को उसी एक आत्मा से चंगा करने का वरदान दिया जाता है। फिर किसी को सामर्थ के काम करने की शक्ति और किसी को भविष्यवाणी की और किसी को आत्माओं की परख और किसी को अनेक प्रकार की भाषा और किसी को भाषाओं को अर्थ बताना"। (1 कुरिन्थि 12:8-10)

"और परमेश्वर ने कलीसिया में अलग अलग व्यक्ति नियुक्त किये हैं प्रथम प्रेरित दूसरे भविष्यद्वकता तीसरे शिक्षक फिर सामर्थ के काम करने वाले फिर चंगा करने वाले ओर उपकार करने वाले और प्रधान और नाना प्रकार की भाषा बोलने वाले"। (1 कुरिन्थि 12:28)

[उत्तर: 1 कुरिन्थि 12 में दूसरे आत्मिक भविष्यवाणी के वरदान ये हैं:

बुद्धि के वचन (दूसरों को परमेश्वर के सत्य को अपने में लागू करने में सहायता करना)]

ज्ञान के वचन (दूसरों को परमेश्वर का सत्य समझने में सहायता करना)

अन्य भाषा (अन्य भाषा में प्रार्थना करना या भाविष्य वाणी करना)

भाषाओं का अनुवाद (किसी की भाषा के मतलब को बयान करना)

दूसरे आत्मिक, सेवा के वरदान 1 कुरिन्थि 12 में ये है:

विश्वास (मज़बूत विश्वास कि परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा पूरी करेगा)

चंगाई (परमेश्वर से बीमार लोगों की चंगाई के लिये प्रार्थना)

आश्चर्य कर्म (प्रार्थना करना कि जो लोगों की आवश्यकता है परमेश्वर पूरा करेगा)

आत्माओ को पहचानना (बुरी आत्माओं को पहचानना औद धोखे की आत्मिक व्यवहार जो वे उत्पन्न करती है।

प्रशासन (प्रोगेकस के प्रबन्ध और विस्तार से सामंजस्य)

कुछ बोलने के और सेवा के वरदान असाधारणा हैं और कभी कभी परमेश्वर की शक्ति के चिन्ह के रूप में कार्य करते हैं लोगों को विश्वास करने में सहायता करना। ऐसे चिन्ह में भाषाएं शामिल हो सकती हैं (1 कुरिन्थि 14:22) भाषाओं का अनुवाद चंगाई और विभिन्न आश्चर्य कर्म।

हालांकि इन्हें नये नियम में आत्मिक वरदान के रूप में पहचान नहीं दी गई हैं कुछ शिक्षक नीचे दिये गये को भी वरदान मान लेते हैं।

अविवाहित (शुद्धता और विवाह से दूर रहना मत्ती 19:10)

विवाह (1 कुरिन्थि 7:7)

पहुनाई (रोमियो 12:13)

शहीद हो जाना (सुसमाचार के लिये मार डाला जाना प्रकाशित 20:4)

अन्त में हम परमेश्वर के आत्मिक वरदानो को तीन हिस्सों में रख सकते हैं:

वे वरदान जो विश्वासी को परमेश्वर के **वचन बोलने** में सहायता करते हैं।

वरदान जो परमेश्वर की सामर्थ से **सेवा करने** में सहायता करते हैं।

चिन्ह वरदान जो परमेश्वर की आश्चर्य जनक शक्ति को प्रगट करते हैं और लोगों को विश्वास करने में सहायता करते हैं।

जांच: नीचे दिये गये वरदान ऊपर के किन भागों में आते हैं?

1) शिक्षा देना

2) दया दिखाना

3) सहायता करना

4) बढ़ाना

5) भाषाएं

6) पहुनाई

[उत्तर: 1=बोलना 2=सेवा करना 3=सेवा करना 4=बोलना 5=चिन्ह (1 कुरिन्थि 14:22) 6=सेवा करना]

इसके साथ ही जो आत्मिक वरदान उसके वचन में वर्णन किये गये हैं, परमेश्वर दूसरे वरदान दे सकता है जिनका वर्णन नहीं है, जब सही परिस्थिति विशेष आवश्यकता उत्पन्न करती हैं।

2. आत्मिक वरदानो के विषय कुछ साधारण उत्तर देने के लिये तैयारी करें।

कृपया इन प्रश्नों के उत्तर अपनी बाइबल में खोजें यदि आप पहले से नहीं जानते हैं तो।

साधारण प्रश्न और गलत फहमियों में	उत्तर खोजें
क्या हर विश्वासी के पास परमेश्वर का आत्मिक वरदान है?	रोमियो 12:6
क्या विश्वासी एक से अधिक आत्मिक वरदान पा सकता है?	प्रेरित 6:3 और 10
परमेश्वर कैसे निश्चय करता कि किस विश्वासी को कौन सा आत्मिक वरदान दें?	1 कुरिन्थि 12:11
पौलुस जिसमें कुरिन्थियों को लिखा क्या उसने हर विश्वासी से अपेक्षा अन्य भाषा बोलने के लिये की?	1 कुरिन्थि 12:30
कौन से आत्मिक वरदान या गुण जो ऊपर सूचि में हैं प्राचीनो को आवश्यक है?	1 तिमुथि 3:2
यदि डींकन्स (कार्य कर्त्ता) अपनी बाइबल की जिम्मेदारियां पूरी करते तो कौन सा वरदान उनको होना चाहिये?	प्रेरित 6:1-6
क्या हम बड़े आत्मिक वरदान की खोज में रहें?	1 कुरिन्थि 12:31

पौलुस ने कुरिन्थि विश्वासियों से किस बड़े आत्मिक वरदान को इस्तेमाल करने का आग्रह किया? नये नियम में भविष्यवाणी के क्या तीनगुना अभिप्राय हैं?	1 कुरिन्थि 14:1-14 1 कुरिन्थि 14:3
किसी भी आत्मिक वरदान से आधिक क्या महत्वपूर्ण है?	1 कुरिन्थि 13

[उत्तर:

1= हाँ

2= हाँ

3= उसके पवित्र आत्मा के द्वारा

4= नहीं

5= पहुनाई और शिक्षा

6= सेवा करना या सहायता करना।

7= हाँ

8= भविष्यवाणी यदि ये बढ़ौत्तरी या तसल्ली के लिये इस्तेमाल होती है।

9= बढ़ाना पहचानना और तसल्ली देना

10= प्रेम

3. विभिन्न आत्मिक वरदानों के विशेष अभिप्रायों का पूरा करने का प्रयास करें।

परमेश्वर सब विश्वासियों को आत्मिक वरदान देता है। ये विश्वास के लिये जानना जरूरी नहीं है कि उनके वरदान क्या है, पर ये आवश्यक है कि वे सब विश्वासी प्रेम एक दूसरे की सेवा करें (रोमियों अध्याय 12) कुछ विश्वासी कलीसिया में प्रशिक्षक बन जाते हैं कुछ जब दूसरे लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करते और दूसरे आश्चर्य कर्म करते तब कुछ परमेश्वर के वचन को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत करते हैं।

अ. हर वरदान पत्र अपना अभिप्राय हैं।

बोलने का वरदान ("भविष्यवाणी") परमेश्वर के सत्य को बोलने में लोगों को विश्वास करने और आज्ञा पालन करने में सहायता करना।

शिक्षा देना शिक्षक लोगों को बयान करते है कि किस प्रकार परमेश्वर के वचन पालन करता है।

बढ़ाना: बढ़ावा देने वाले प्रोत्साहित करते सामर्थ देते और लोगों को बनाते हैं।

विश्वास: इस वरदान के साथ लोग दूसरों को विश्वास करने में प्रेरित करते और परमेश्वर का दर्शन होने कि परमेश्वर उनकी मंडली को क्या करने में सहायता करेगा लोगों को आगे बढ़ाना।

सेवा का वरदान ("सेवकाई") लोगों को परमेश्वर सामर्थ में की दया दिखाना करना।

देना: उदारता से देने वाले लोगों की मौलिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

प्रशासन और अगुवाई करना अगुवे लोगों को साथ काम करने में मदद करते हैं

दया दिखाना दयालु लोग व्यवहारिक रूप में लोगों की जरूरतों को पूरा करते हैं।

चिन्ह का वरदान (आश्चर्य कर्म) लोगों को परमेश्वर की सामर्थ दिखाना कि वे विश्वास कर सकें।

आत्माओं की पहचान: पहचान करने वाले सत्य और गलत को अलग करता है।

चंगई करना- चंगा करने वाले लोगों के शरीर और भावनात्मक स्वास्थ को लाते हैं।

अन्य भाषा और उसका अनुवाद। कुछ लोग अन्यभाषा बोलते या उसमें प्रार्थना करते हैं। जो उनके लिये अनजान है। यदि वे लोगों के झुन्ड में बोलते है। तो दूसरों को उनकी भाषा में अनुवाद करना है।

भविष्यवाणी करना: भविष्यवाणी हालांकि बोली जाती, ये हमेशा विश्वासियों के लिये चिन्ह है (1 कुरिन्थि 12:22)

ब. हर प्रकार के वरदान पाये व्यक्ति को कार्य करना है।

बोलने वाले व्यक्ति

भविष्यद्वकता: भविष्यद्वकता उन सन्देशों की घोषणा करते जो लोगों का विश्वास में अगुवाई करते हैं।

सुसमाचार प्रचारक: सुसमाचार प्रचारक यीशु विषय सुसममाचार बताता है।

शिक्षक: शिक्षक निर्देश उपलब्ध कराते कि किस प्रकार यीशु की आज्ञा पालन करना है।

सेवा करने वाले व्यक्ति

प्रेरित: प्रेरित को कलीसिया की स्थापना के लिये दूसरी जगहें भेजा जाता है और कि वे उनके अगुवों को प्रशिक्षित करें।

चरवाहे: चरवाहे मंडली को खिलाते पिलाते और अगुवाई करते हैं।

स. अगुवों को हर विश्वासी को अपने आत्मिक वरदान इस्तेमाल करने में मदद करना है।

जब लोग छोटे झुन्ड में एक दूसरे कि सेवा करते हैं, तो उनके आत्मिक वरदान दिखने लगते हैं और दूसरे इन्हें पहचानेगे। नये विश्वासियों को सेवा करने से न रोकें।

सब विश्वासियों के लिये शुभअवसर प्रदान करें कि वे अपने आत्मिक वरदानो को एक दूसरे की सेवा के लिये इस्तेमाल करें। ये छोटे झुन्डों में उत्तमता से किया जाता है। केवल वरदान पाये लोगों की सुनकर पवित्र आत्मा के कार्यो को सीमित मत कीजिए।

विश्वासियों को लगातार स्मरण दिलाइये कि उन्हें दूसरे लोगों के प्रति प्रेम होना चाहिये। जब विश्वासी क्रोधित या परेशान करने वाला हो तो जब वे आत्मिक वरदान इस्तेमाल करते तो उनके वरदान लोगों को हानि पहुँचा सकते हैं।

लोगों को दफ्तरों, कलीसियाओं, छोटे झुन्डों में अपने आत्मिक वरदानो के अनुसार जिम्मेदारियां लेनी चाहिये। जिस कार्य में लोग वरदान नहीं पाये हुए हैं उन में उन्हें काम पर न लगायें।

प्राचीनों को बोलने का वरदान होना चाहिये और डीकनो (सेवकों) को सेवा का वरदान होना चाहिये।

छोटे झुन्ड या सेवकाई की समुहों की विभिन्न प्रकार के वरदान के लोगों को होना चाहिये जिससे पवित्र आत्मा सामंजस्य रख सके। उस प्रकार के वरदानो को एक साथ न रखें।

विश्वासियों को वरदान खोजने के लिये जो परमेश्वर ने उन्हें दिया है, उन्हें अपने आप को बाइबल के चरित्रों से तुलना करना चाहिये जिन्होंने परमेश्वर के वरदानो का नमूना रखा। उन्हें बाइबल के पात्रों को खोजने में सहायता करें जिसकी योग्यताओं या गुणों का वे अनुसरण करना चाहते हैं। विश्वासियों को उनकी कहानियां बतायें कि वे किस व्यक्ति के साथ अधिकतर अपनी पहचान रखते हैं उनसे पूछें, और क्यों यहाँ कुछ उदाहरण है:

बाबइल के नमूने

सेवा करना: जैसा नेहमिय्याह अध्याय 3 और 6:15-16 में उन्होंने यरूशलेम की दीवार की मरम्मत में किया (क्या आप मज़बूती से उनके साथ पहचान करते हैं?)

देना: जैसा अबीगैल ने उदारता से किया दाऊद के जरूरत मन्द लोगों के लिये 1 सामुएल 25 (उन मार्ग दर्शनो को खोजें जो 1 कुरिन्थि अध्याय 9 में दिये गये हैं)

प्रोत्साहित करना: (बढ़ाना) जैसा पौलुस ने प्रेरित 20:17-38 में इफिसियों के लिये किया।

दया दिखाना: जैसा लूका 10:30-35 में नेक सामरी ने दिखाया। वरदान कोइ स्तेमाल करने की मार्ग दर्शिका मत्ती 25:31-46 और प्रेरित 6:1-7 में देखें।

भविष्यवाणी करना: जैसा यिर्मियाह ने अपने प्रबल सन्दशों में किया, परमेश्वर के लोगों को उसके पास वापस बुलाया। यिर्मियाह अध्याय 1 इस वरदान का अभिप्राय नये नियम में 1 कुरिन्थि 14:3-4

शिक्षा देना: जैसा एज्रा ने नहेमिय्याह अध्याय 8 में लोगों को परमेश्वर की व्यवस्था समझाई शिक्षा के सच्चे अभिप्राय को देखने के लिये इफिस्सियों 4:11-16 देखें।

अगुवाई करना: (सेवक अगुवाई) जैसा मूसा ने दूसरे याजकों की सहायता के लिये किया और यहोशू ने अपने झुन्ड के साथ किया। (निर्गमन 18:13-26 और यहोशू 4-6)

बुद्धिमानी से समझाओ जैसे सुलेमान ने 1 राजा 3 में किया।

ज्ञान: जैसा नहेमियाह ने दीवारों की जांच के बाद तुराईयों के आधार पर कार्य किया या जैसे बिरियाई लोगों ने वचन के साथ किया। नहेमिय्याह 1:11-20 और प्रेरित 17:10-12

सहायता: जैसे अक्विला और प्रिस्सिल्ला ने पौलुस और अपुल्लोस के साथ किया (प्रेरित 18:1-5,24-28)

प्रेरित की नाई जाओ ("भेजा हुआ" या मिशनरी) जैसा योना अपनी पानी के नीचे की शिक्षा के बाद था, वैसे ही पौलुस और बरनबास (प्रेरित अध्याय 13-14)

रोमियों 5:20-21 में पौलुस की मुख्य मिशनरी के मार्ग दर्शन के सिद्धन्तों को खोजें।